अथवा

'नए संघर्ष' का सार लिखिए।

5. 'अज्ञेय के साथ' की मूल संवेदना लिखिए। (15)

अथवा

सुभान खाँ की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3660 **C**

Unique Paper Code : 12051602

Name of the Paper : हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

Name of the Course : **B.A. (H) HINDI**

Semester : VI

Ramanujan College Library Kalkaji, New Delhi-110019

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8+7=15)

(क) मनुष्य व्यक्ति के चरित्र का विचार कई एक रीति से हो सकता है। और जिस रीति पर आरूढ़ हो इसकी मीमांसा कीजिये उस ढंग से वैसे विचार होंगे। चाहे मनुष्य के धर्म अथवा सच्चरित्र संबंधी गुणों का विचार कीजिए या चाहे इसी के निकट का कोई प्रश्न उठाकर उस पर कुंद शंका समाधान कीजिये अर्थात्

सच्चरित्र से सामाजिक क्या लाभ है इन सब बातों के विचार से हमको इस लेख में कुछ प्रयोजन नहीं है किन्तु हमको यहाँ उस मुख्य बात से प्रयोजन है जौ इस प्रकार की मीमांसा के भी पूर्व विचार में आनी चाहिये और वह यह बात है कि जातियों का अनूठापन इस देश के इतिहास का फल है।

अथवा

अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है। अर्थ-परायण लाख कहा करें कि 'गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या फायदा' पर हृदय नहीं मानता; बार-बार अतीत की ओर जाया करता है। अपनी यह बुरी आदत नहीं छोड़ता। इसमें कुछ रहस्य अवश्य है। हृदय के लिए अतीत एक मुक्ति लोक है जहाँ वह अनेक प्रकार के बंधनों से छूटा रहता है और अपने शुद्ध रूप में विचरता है। वर्तमान हमें अंधा बनाये रहता है; अतीत बीच-बीच में हमारी आँखें खोलता रहता है।

(ख) भारत वर्ष बहुत बड़ा देश है। इसका इतिहास बहुत पुराना है। इस इतिहास का जितना अंश जाना जा सकता उसकी अपेक्षा जितना नहीं जाना जा सकता, वह और भी पुराना और महत्वपूर्ण है। न ज़ाने किस अज्ञात काल से नाना जातियाँ आ-आकर इस देश में बसती रही है और इसके साधन को नाना भाव से मोड़ती रही हैं, नये रूप देती रही हैं और समृद्ध करती रही हैं। इस देश का सबसे पुराना उपलब्ध साहित्य आर्यों का है।

अथवा

अनुसरण मनुष्य की प्रकृति है। बालक प्राय: आरम्भ में सब कुछ अनुसरण से ही सीखता है,, तत्पश्चात् अपने अनुभव के साँचे में ढालकर उसे अधिक से अधिक पूर्ण करने के प्रयास करता है परन्तु अनुभव के आधार से हीन अनुसरण सिखाए हुए पशु के अन्धानुसरण के समान है जो जीवन के गौरव को समूल नष्ट कर और मनुष्य को दयनीय बनाकर पशु की श्रेणी में बैठने के लिए बाध्य कर देता है।

2. 'मजदूरी' और 'प्रेम' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'अतीत की स्मृति' निबंध की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

3. 'तुम चंदन हम पानी' निबंध का मूल कथ्य स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'हमारी शृंखला की कड़ियाँ' का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. 'अपनी खबर' की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। (15)